गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 267
दि. 29.01.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

अजित पवार को श्रद्धांजलि: प्रधानमंत्री ने कहा- उनमें जुनून था; फडणवीस बोले- दमदार, दिलदार दोस्त छोड़कर चला गया

बारामती (जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बुधवार सुबह महाराष्ट्र के बारामती में विमान हादसे में मौत हो गई। लियरजेट-45 विमान, जिसमें कुल पांच लोग सवार थे, लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में किसी की जान नहीं बच सकी। अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजनीति में सदमे की स्थिति है, जबकि प्रशासनिक स्तर पर हादसे के तकनीकी कारणों की तलाश जारी है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब विमान पुणे के बारामती में लैंडिंग कर रहा था। इस घटना से देश भर में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अजित पवार के निधन पर दुख जताया है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'हमने राज्य में तीन दिन का शोक घोषित किया है। अजित पवार जैसा नेता खोना एक अपूरणीय क्षति है। महाराष्ट्र के लिए आज का दिन कठिन है। वह जन नेता थे। निजी जीवन में वह मेरे अच्छे मित्र थे। हमने साथ मिलकर कई चुनौतियों का सामना किया। जिस समय वह महाराष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहे थे, उसी समय उनका असामयिक निधन होना अत्यंत दुखद है। उन्हें महाराष्ट्र के कोने-कोने की जानकारी थी। यहां के हर मुद्दे से वो वाकिफ थे। अजित दादा संघर्षशील नेता थे। वे किसी भी परिस्थिति में डगमगाए बिना आगे बढ़ने वाले व्यक्ति थे। आज मेरा दमदार, दिलदार दोस्त मुझे छोड़कर चला गया। हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। मैं और एकनाथ शिंदे जी आज बारामती जाएंगे। मैंने इस घटना की जानकारी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को दे दी है और उन्होंने भी इस पर दुख व्यक्त किया है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भावुक पोस्ट में लिखा, 'बारामती, महाराष्ट्र में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुख हुआ।

मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजन खो दिए। मैं इस क्षण में शोकग्रस्त परिवारों के लिए शक्ति और साहस की प्रार्थना करता हूं।'

पीएम मोदी ने लिखा, 'अजित पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत संबंध था। उन्हें महाराष्ट्र के लोगों की सेवा में मेहनती और समर्पित व्यक्ति के रूप में व्यापक सम्मान मिला। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब व वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी उल्लेखनीय था। उनका आकस्मिक निधन बेहद स्तब्ध करने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ॐ शांति।'

गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'आज एक दुःखद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और ठऊअ के हमारे वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। अजित पवार जी ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वे जब भी मिलते थे, महाराष्ट्र की जनता के कल्याण संबंधी अनेक विषयों पर लंबी चर्चा करते थे। उनका निधन ठऊअ परिवार के साथ ही मेरे लिए भी व्यक्तिगत क्षति है। मैं पवार परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। शोक की इस घड़ी में पूरा ठऊअ शोक-संतप्त पवार परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ॐ शांति शांति शांति।'

सीएम फडणवीस भी हुए भावुक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर भी पोस्ट साझा किया और लिखा, 'जमीन से गहरा जुड़ाव रखने वाले जनता के नेता, मेरे मित्र और सहयोगी, उप-मुख्यमंत्री अजित दादा पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। यह आत्मा को झकझोर देने वाली घटना है। मन सुन्न हो गया है। अपनी भावनाएं शब्दों में व्यक्त करने की शक्ति नहीं बची है। मैंने अपने एक मजबूत और उदार मित्र को खो दिया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। ऐसी क्षति जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। आज का दिन महाराष्ट्र के लिए अत्यंत कठिन है। मैं दादा को हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके पूरे परिवार और एनसीपी परिवार के दुख में सहभागी हैं। इस दुर्घटना में चार अन्य लोगों ने भी अपनी जान गंवाई। हम उनके परिवारों के साथ भी समान रूप से शोक साझा करते हैं। मैंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। मैं शीघ्र ही बारामती के लिए रवाना हो रहा हूं।'

एकनाथ शिंदे क्या बोले?

अपने सहयोगी अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'यह महाराष्ट्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। यह हमारे लिए और पूरे महाराष्ट्र के लिए एक दुखद घटना है। अजित दादा अपने वचन के पक्के आदमी थे। जब मैं मुख्यमंत्री था और वह उप मुख्यमंत्री थे, तब हमने टीम के रूप में काम किया। उसी दौरान हमने लाडली बहन योजना शुरू की थी, जिसमें अजित दादा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'

राज ठाकरे भी हुए भावुक

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे भी अजित पवार के निधन पर भावुक हो गए। उन्होंने एक लंबे पोस्ट में लिखा, 'राज्य के उपमुख्यमंत्री और मेरे मित्र अजित पवार के निधन की खबर ने मुझे स्तब्ध कर दिया। महाराष्ट्र की राजनीति ने आज एक उत्कृष्ट और प्रभावशाली नेता को खो दिया है। अजित पवार और मैंने लगभग एक ही दौर में राजनीति की शुरूआत की, भले ही हमारी जान-पहचान कुछ समय बाद हुई, लेकिन राजनीति के प्रति उनके अद्भुत जुनून ने उन्हें महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षितिज पर बहुत तेजी से आगे बढ़ाया। वे पवार साहब की परंपरा में ढले नेता थे, परंतु उन्होंने अपनी अलग पहचान गढ़ी और वह पहचान महाराष्ट्र के हर कोने तक गूंजती रही। मेरे परिवार और मैं पवार परिवार के दुख में सहभागी हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की ओर से अजित पवार को विनम्र श्रद्धांजलि।'

किसने क्या कहा?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार के आकस्मिक निधन के बारे में जानकर मैं गहरे सदमे में हूं और दुखी हूं। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए निरंतर कार्य किया। वे जनसेवा के प्रति अपनी निष्ठा और लोगों के प्रति अपनी संवेदनशीलता के लिए जाने जाते थे। मैं उनके परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।'

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, 'आज बारामती में विमान दुर्घटना में अजित पवार के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता हूं।

गोरखपुर में सीएम योगी करेंगे अदाणी सीमेंट फैक्ट्री का भूमि पूजन, 4200 करोड़ का निवेश और 6500 लोगों को मिलेगा रोजगार

(जीएनएस)।

गोरखपुर। दक्षिणांचल क्षेत्र में विकसित हो रही धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप जल्द ही औद्योगिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनने जा रही है। देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों को भूमि आवंटन के बाद अब शिलान्यास और भूमि पूजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। खास बात यह है कि अदाणी ग्रुप की सीमेंट फैक्ट्री का भूमि पूजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों फरवरी में प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति को लेकर गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

गीडा द्वारा अदाणी समूह को अंबुजा सीमेंट की यूनिट के लिए 46.63 एकड़ औद्योगिक भूमि आवंटित की गई है। वहीं, केयान ग्रुप से जुड़ी श्रेयश डिस्टिलरी-एनर्जी लिमिटेड को 60.48 एकड़ भूमि आवंटन किया गया है। इन दोनों निवेश प्रस्तावों के माध्यम से करीब 4200 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 6500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। अदाणी ग्रुप की सीमेंट फैक्ट्री के भूमि पूजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की औद्योगिक विकास नीति का अहम पड़ाव माना जा रहा है।

इसके साथ ही केयान ग्रुप के डिस्टिलरी प्लांट के भूमि पूजन को लेकर भी तैयारियां चल रही हैं। औद्योगिक टाउनशिप में निवेशकों की बढ़ती रुचि का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने भी 300 करोड़ रुपये के निवेश से कैंपा कोला कोल्ड ड्रिंक ब्रांड की यूनिट स्थापित करने के लिए करीब 50 एकड़ भूमि पसंद की है। इसके आवंटन की प्रक्रिया जल्द पूरी होने की संभावना है।

अजित पवार के निधन के तुरंत बाद सरकार का ऐलान, बारामती में होगा ये बड़ा काम

महाराष्ट्र की राजनीति का 'पावर सेंटर' और 'जनता का दादा' खामोश हो गया है। डिप्टी सीएम अजित पवार के असामयिक निधन ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। उनके सम्मान में बारामती में एक भव्य स्मारक बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह स्मारक अजित पवार के प्रशासनिक कौशल और उनके विकास कार्यों की याद दिलाता रहेगा।

अजित पवार का अंतिम संस्कार कल सुबह 11 बजे उनके पैतृक गांव काटेवाड़ी (बारामती) में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनके पार्थिव शरीर को आज शाम से ही विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। अजित पवार के बिना महाराष्ट्र की राजनीति की कल्पना करना मुश्किल है।

कृषि मंत्रालय ने तमिलनाडु में एफपीओ को मजबूत करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया: श्री शिवराज सिंह चौहान

समिति का गठन एफपीओ के शासन, बाजार संबंधों एवं मूल्यवर्धन के लिए किया गया

रिपोर्ट दो महीने के अंदर प्रस्तुत किया जाएगा; आईसीएआर-एनआरसीबी संस्थागत सहयोग प्रदान करेगा

(जीएनएस)।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तमिलनाडु में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने, उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करने तथा उनके विस्तार एवं पहुंच को बेहतर बनाने के उपायों की सिफारिश करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस पहल को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के हस्तक्षेप के बाद शुरू किया गया है, जिन्होंने तमिलनाडु के इरोड की अपनी हाल की यात्रा के दौरान एफपीओ के सामने उत्पन्न हो रही समस्याओं पर ध्यान केंद्रीत किया और व्यापक एवं जमीनी स्तर पर किए गए आकलन के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान करने के लिए समयबद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया।

यह निर्णय श्री शिवराज सिंह चौहान की हालिया एरोड यात्रा के बाद लिया गया है, जिस दौरान किसानों एवं हितधारकों के साथ एफपीओ द्वारा सामना की जा रही परिचालन, तकनीकी एवं बाजार संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की गई। इन सुझावों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, मंत्रालय ने राज्य में एफपीओके प्रदर्शन का अध्ययन करने एवं सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए समिति के गठन को मंजूरी प्रदान की है।

इस समिति में नाबार्ड, नाफेड, एसएफएसी-तमिलनाडु, आईसीएआर-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी), एफएपीओ के प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी शामिल हैं, जो एक व्यापक और जमीनी स्तर पर मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगे। यह समिति एफएपीओ को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की जांच करेगी, जिनमें संस्थागत शासन एवं प्रबंधन पद्धतियां, व्यावसायिक परिचालन एवं स्थिरता, तकनीकी सहायता एवं विस्तार संपर्क, एकत्रीकरण, मूल्यवर्धन एवं विपणन चुनौतियां, साथ ही क्षमता निर्माण एवं मार्गदर्शन संबंधी आवश्यकताएं शामिल हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली में भारत रंग महोत्सव का उद्घाटन किया

केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मंगलवार शाम नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में एक भव्य समारोह में दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय रंगमंच समारोह, भारत रंग महोत्सव (बीआरएम) 2026 के 25वें संस्करण का उद्घाटन किया।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री का निधन: सीएम योगी बोले- हृदय विदारक घटना, अखिलेश-मायावती ने भी जताया शोक

लखनऊ, (जीएनएस)। विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन ने राजनीतिक जगत को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित बसपा सुप्रीमो मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उनके निधन पर शोक जताया है।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना ने राजनीतिक जगत

को हिलाकर रख दिया। हादसे में चार अन्य लोगों की भी जान चली गई। निजी विमान एयरपोर्ट पर उतरते समय क्रैश हुआ है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर कहा कि महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

ममता बनर्जी ने उठाए 'प्लेन क्रैश' पर सवाल, तो भड़की बीजेपी

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में दुखद मृत्यु ने देश को स्तब्ध कर दिया है। इस घटना पर शोक जताने के साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साजिश की आशंका जताकर नया विवाद खड़ा कर दिया है।

ममता बनर्जी ने घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की, जिसे बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने सीएम पर एक राष्ट्रीय त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे बयान बंगाल की छवि को धूमिल करते हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए इस हादसे को संदिग्ध करार दिया। उन्होंने दावा किया कि अजित पवार पिछले कुछ समय से महायुति गठबंधन से दूरी बना रहे थे, जो इस घटना के पीछे किसी बड़ी साजिश का संकेत हो सकता है। ममता ने स्पष्ट किया कि उन्हें वर्तमान जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं है, इसलिए

सच्चाई सामने लाने के लिए केवल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में ही निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

बंगाल बीजेपी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री द्वारा बिना किसी तथ्य के हवाई हादसे पर साजिश की बात करना गैर-जिम्मेदाराना है। भट्टाचार्य ने जोर देकर कहा कि ममता बनर्जी की यह टिप्पणी पूरे देश के सामने पश्चिम बंगाल को शर्मिंदा करने वाली है। उनके अनुसार, शोक के समय में इस तरह के 'पॉलिटिकल नैरेटिव' सेट करना मानवता और संवैधानिक गरिमा के खिलाफ है।

यह दर्दनाक हादसा बुधवार सुबह उस समय हुआ जब अजित पवार का विमान मुंबई से बारामती जा रहा था। लैंडिंग के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें अजित पवार, उनके सुरक्षाकर्मी और दो पायलटों सहित कुल 5 लोगों की मौत हो गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने पुष्टि की है कि हादसे के बाद विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर मलबे में तब्दील हो गया था। इस खबर ने महाराष्ट्र और देश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ दी है।

जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की मांग

विवादों के बीच, ममता बनर्जी ने देश में वीआईपी सुरक्षा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में देश का कोई भी नेता सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हादसे के कारणों की गहन पड़ताल होनी चाहिए और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। जहां प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने हादसे पर दुख जताया है, वहीं विपक्ष का एक धड़ा इस पूरी घटना को तकनीकी खराबी से इतर संदेह की दृष्टि से देख रहा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एविएशन सेक्टर की सुरक्षा पर सवाल, इस बीच जयपुर में एयर इंडिया फ्लाइट की लैंडिंग फेल

(जीएनएस)।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एविएशन सेक्टर की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। बुधवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत हो गई। इस बीच जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली से जयपुर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट अक-1719 की लैंडिंग करने में मुश्किल आई थी।

सूत्रों के अनुसार, दोपहर करीब 1:05 बजे जब विमान ने पहली बार रनवे पर उतरने की कोशिश की, तो उसके पहियों ने रनवे को छुआ था। हालांकि, सुरक्षित स्थिति नहीं देखकर पायलट ने तुरंत गो-अराउंड का फैसला लिया। पायलट की सूझबूझ से कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही टल गया।

- जानकारी के मुताबिक, रनवे पर विमान लैंड नहीं हो सका, तो दोबारा हवा में उठाया गया। करीब 10

मिनट तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

- हालांकि पायलट की सूझबूझ और तय सुरक्षा प्रक्रियाओं की वजह से सभी 135 यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे। इस फ्लाइट में कांग्रेस नेता और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे।

- विमान के अचानक रनवे छूकर फिर उड़ान भरने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन यात्रियों को क्रू मेंबर्स ने संभाला।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि गो-अराउंड एक मानक सुरक्षा प्रक्रिया है। अगर पायलट को किसी भी कारण से लैंडिंग सुरक्षित नहीं लगती, तो वह विमान को फिर से हवा में उठाने का निर्णय ले सकता है। इसे किसी आपात स्थिति के रूप में नहीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया माना जाता है। हाल के दिनों में सामने आई अन्य विमान घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अपुष्ट बातें भी फैल रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थितियों में केवल आधिकारिक बयानों और प्रमाणित सूचनाओं पर ही भरोसा किया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

यूजीसी 2026 का विरोध

यूजीसी के नए नियमन से उबाल क्यों है विरोध का बड़ा कारण यह है कि समता समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला और ओबीसी सदस्य होने के कारण उनके छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकेगी, बल्कि उस समुदाय का शिकायतकर्ता होने के कारण अगड़ी जाति (भूमिहार, ब्रा१ण, राजपूत और कायस्थ) के छात्र हमेशा निशाने पर रहेंगे। यूजीसी के नए नियमन से उबाल क्यों है यूजीसी यानी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने शायद सोचा भी न होगा कि 13 जनवरी 26 को जारी उसके नये नियमन (रेगुलेशन) से देशभर में उबाल हो जाएगा। उसने तो नया नियमन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद लागू किया था, लेकिन समाज का एक धड़ा उद्वेलित हो उठा है। सरकार बहादुर चुप हैं और शिक्षा मंत्री मूकदर्शक। यहां तक की विपक्ष की भी बोलती बंद है, लेकिन विरोध बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है तो मूर्धन्य कवि वुमार विश्वास ने दिवंगत कवि रमेश रंजन मिश्र की कविता का उल्लेख करते हुए कहा है कि 'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा; मैं अभागा सवर्ण हूं, मेरा रोयां-रोयां उखाड़ लो राजा।' दरअसल, वर्ष 2019 में हैदराबाद यूनिर्वसिटी के छात्र रोहित वेमुला और महाराष्ट्र की एक महिला चिकित्सक डॉ पायल तडवी ने जातीय उत्पीड़न से तंग होकर आत्महत्या कर ली थी। नतीजतन, सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को ऐसा नियमन बनाने का निर्देश दिया था, जिससे कॉलेज में पढ़ाई के दौरान छात्रों का उत्पीड़न रोका जा सके। इसी दौरान आईआईटी ने एक स्टडी की जिसमें पाया गया कि 'वंचित जातियों के 75 प्रतिशत छात्र कॉलेज में भेदभाव का शिकार होते हैं। ऐसा नहीं है कि विश्वविद्यालयों में जातीय आधार पर छात्रों के उत्पीड़न रोकने के लिए पहले से नियम नहीं थे। साल 2012 में हिमाचल प्रदेश में रैगिग के दौरान एक छात्र की हत्या के बाद 17 दिसंबर 2012 से यूजीसी ने मान्यता प्राप्त सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में रैगिग और उत्पीड़न रोकने के लिए नियम तय किये थे।

'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीटूशंस रेगुलेशंस' नाम के नियम सिर्प सुझाव और जागरूकता के लिए थे। उसमें सजा का कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन शिकायत झूठी पायी जाने पर जुमार्ना और दंड का प्रावधान अवश्य था। अधिकांश मामलों में रैगिग करने या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संस्थान द्वारा चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता था। दोबारा शिकायत मिलने पर उत्पीड़न करने वाले छात्रों के अभिभावक को कॉलेज प्रशासन पत्र भेज दिया करता था और मामला सुलझ जाता था। कॉलेज प्रशासन की मनाही के बावजूद शिक्षण संस्थानों में रैगिग चोरी-छुपे होती रहती थी। आज भी जारी है। पहले छात्रों के बीच इतनी कटुता भी नहीं होती थी। इसका मकसद छात्रों के बीच हास-परिहास करना होता था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और यूजीसी के नियमन - पिछले साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को कॉलेजों में जातीय भेदभाव की शिकायतों का डाटा इकट्ठा करने तथा नया नियमन बनाने का निर्देश दिया था। उसके बाद यूजीसी ने फीडबैक लेने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया, जिस पर ओबीसी के छात्रों ने आपत्ति जताईं और एससी- एसटी छात्रों के साथ ओबीसी के छात्रों को भी जांच समिति में शामिल करने की मांग की। इससे पहले दिसंबर 25 में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और युवा संबंधी मामलों की संसदीय समिति ने यूजीसी और सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में समता समिति में ओबीसी को शामिल करने की सिफारिश कर दी। इस समिति के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिह हैं। अपने ड्राफ्ट के विश्लेषण, ओबीसी छात्रों की मांग और संसदीय समिति की सिफारिश के आधार पर यूजीसी ने इस साल 13 जनवरी को नये नियमन की अधिसूचना जारी कर दी। दो दिन बाद 15 जनवरी से यूजीसी से मान्यताप्राप्त कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नये लागू कर दिये गए हैं। नए नियमन में क्या है खास- 1. नये नियमन के तहत यूजीसी से मान्यताप्राप्त हर कॉलेज में इक्वल अपारच्युनिटी सेंटर यानी समता समिति (ईओसी) की स्थापना अनिवार्य कर दी गयी है। समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला के अलावा ओबीसी के सदस्य होंगे। इनका कार्यकाल दो वर्षो का होगा। विशेष आमंत्रित सदस्यों में भी उन्हीं वर्गो के सदस्य होंगे। हालांकि उनका कार्यकाल एक वर्ष का होगा। अध्यक्ष कॉलेज के प्राचार्य होंगे। 2. नये नियमन के तहत शिकायत मिलने के बाद समिति की रिपोर्ट पर कॉलेज के प्राचार्य अथवा यूनिर्वसिटी के उप वुलपति एक्शन लेंगे। जिसके खिलाफ शिकायत होगी उसकी डिग्री रोक दी जाएगी, आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा और आर्थिक दंड लगाया जाएगा। शिकायत झूठी होने पर भी शिकायतकर्ता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले गलत शिकायत करने पर आर्थिक दंड लगाया जाता था, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है। 3. हर कॉलेज में एक इक्विटी स्क्वायड नाम की एक संस्था बनायी जाएगी जिसका काम कॉलेज में निगरानी करना और जाति के आधार पर भेदभाव को रोकना होगा। खास बात यह कि जाति आधारित भेदभाव में केवल एससी, एसटी और पिछड़ी जाति के लोग आएंगे।4. शिकायत आने पर समता समिति को 24 घंटे के भीतर बैठक बुलाकर 15 दिनों में कॉलेज प्राचार्य को कार्रवाई की सिफारिश करनी होगी। प्राचार्य 7 दिनों के भीतर उप वुलपति को रिपोर्ट करेंगे। 5. समता समिति को हर साल यूजीसी को कार्रवाई रिपोर्ट देनी होगी। विरोध का कारण - विरोध का बड़ा कारण यह है कि समता समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला और ओबीसी सदस्य होने के कारण उनके छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकेगी, बल्कि उस समुदाय का शिकायतकर्ता होने के कारण अगड़ी जाति (भूमिहार, ब्रा१ण, राजपूत और कायस्थ) के छात्र हमेशा निशाने पर रहेंगे। उनका पक्ष भी नहीं सुना जा सकेगा।

लैंडिंग के दौरान क्या हुआ, कैसे टूटा संपर्क? उड्डयन मंत्रालय ने 10 प्वाइंट में बताया

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया है। इस हादसे ने विमानों की सुरक्षा और तकनीकी गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, हादसे के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू भी बारामती पहुंच गए हैं। उन्होंने दिवंगत एनसीपी नेता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ी क्षति है। हमने जांच के आदेश दिए हैं और पूरी डिटेल आने के बाद रिपोर्ट जारी की जाएगी।

अजित पवार के विमान हादसे के बाद कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भी जांच की मांग की है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह हादसा बहुत संदिग्ध है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अजित पवार जल्द बीजेपी को छोड़ने वाले थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी जांच की मांग की है।

नागरिक उड्डयन मंत्री रोममोहन नायडू ने बताया कि प्लेन क्रैश की डिटेल रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा कि अभी जांच के आदेश दिए गए हैं, लेकिन शुरूआती इनपुट मिले हैं। पूरी रिपोर्ट आने के बाद डिटेल शेयर की जाएगी।

1. बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दो प्रयासः नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू के अनुसार, सुबह 8:43 बजे अजित पवार के जेट को लैंडिंग की मंजूरी मिली, एक मिनट बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अजित पवार के विमान ने बारामती हवाई अड्डे पर उतरने के लिए कुल दो प्रयास किए। दोनों प्रयासों के दौरान मौसम और विजिबिलिटी अहम चुनौती बने।

2. पहले प्रयास में कम विजिबिलिटी बनी बाधाः पहली बार लैंडिंग के दौरान पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचित किया कि रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। कम दृश्यता के कारण सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं थी।

3. ATC ने दिया 'गो-अराउंड' का निदेर्शः सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अळउ ने विमान को 'गो-अराउंड' करने का निर्देश दिया। लैंडिंग रद्द कर दोबारा चक्कर लगाकर उतरने की सलाह दी गई थी।

4. दूसरे प्रयास में रनवे दिखने की पुष्टिः दूसरी कोशिश के दौरान पायलट ने अळउ को जानकारी दी कि रनवे अब दिखाई दे रहा है। इसके बाद लैंडिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

5. ATC से लैंडिंग की अनुमतिः रनवे विजिबिलिटी की पुष्टि के बाद ATC ने विमान को लैंडिंग की औपचारिक अनुमति दे दी। यह प्रक्रिया पूरी तरह मानक प्रोटोकॉल के तहत बताई जा रही है।

अजित पवार की मौत पर भावुक सुप्रिया सुले ने लिखा ये शब्द, क्ं या इसी बहन के कारण चाचा शरद पवार से दूर हुए थे?

अजित पवार की मौत पर भावुक सुप्रिया सुले ने लिखा ये शब्द, क्ं या इसी बहन के कारण चाचा शरद पवार से दूर हुए थे?

6. अचानक टूटा संचार संपर्कः लैंडिंग की अनुमति के बाद ATC को पायलट की ओर से आवश्यक 'रीड-बैक' नहीं मिला। इसके तुरंत बाद विमान और ATC के बीच संचार पूरी तरह टूट गया।

7. रीड-बैक न मिलना जांच का अहम बिंदुः एविएशन नियमों के अनुसार, ATC निर्देश मिलने पर पायलट का रीड-बैक बेहद जरूरी होता है। इसका न मिलना जांच एजेंसियों के लिए एक गंभीर तकनीकी संकेत माना जा रहा है।

8. AAIB और DGCA की टीमें मौके परः घटना की गंभीरता को देखते हुए एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) और DGCA की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

9. ब्लैक बॉक्स की तलाश जारीः विमान के 'ब्लैक बॉक्स'-Cockpit Voice Recorde१ (CVR) और Flight DôtÔ Recorder (FDR)-को बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे अंतिम पलों की तकनीकी और संवाद संबंधी जानकारी मिल सके।

10. श्क्ह प्रोटोकॉल की भी होगी जांचः नागरिक उड्डयन मंत्रालय यह भी जांच कर रहा है कि क्या खराब मौसम के बावजूद उड़ान और लैंडिंग की अनुमति दी गई। इसकी भी जांच हो रही है कि किसी तरह के वीआईपी प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ या नहीं।

रितेश देशमुख और अजित पवार का क्या है रिश्ता? एक्टर ने डिप्टी सीएम की मौत पर कही ऐसी बात

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दुखद निधन पर देशभर में शोक का माहौल है। राजनीति के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी लगातार संवेदनाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेता और निमार्ता रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अजित पवार को श्रद्धांजलि दी है।

डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन

आपको बता दें कि रितेश देशमुख डिप्टी सीएम अजित पवार को प्यार से 'अजीत दादा' कहकर संबोधित करते थे। रितेश देशमुख ने भावुक होते हुए दिवंगत अजित पवार को महाराष्ट्र के सबसे प्रभावशाली और ऊजार्वान नेताओं में से एक बताया।

रितेश देशमुख का भावुक पोस्ट

-रितेश देशमुख ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा है- ये जानकर दिल टूट गया है कि हमने एक दुखद हादसे में अजित दादा को खो दिया। वह महाराष्ट्र के सबसे डायनामिक नेताओं में से एक थे। खराब परफॉर्मेंस उन्हें बिल्कुल मंजूर नहीं थी और वह अपने आसपास के हर व्यक्ति को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते थे।

-रितेश देशमुख ने आगे लिखा- अपनी बात बेझिझक कहना, अजित दादा की हाजिरजवाबी और उनका हास्य, ये सब उन्हें खास बनाता था। पूरे राज्य में लोग उन्हें बेहद प्यार करते थे। उनका अचानक जाना एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

-रितेश देशमुख ने लिखा- मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला और मैं हमेशा उनकी वह दयालुता याद रखूंगा, जो उन्होंने मुझ पर दिखाई। पवार परिवार, उनके प्रियजनों और लाखों समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-रितेश देशमुख ने अपनी पोस्ट में अजित पवार की बेबाक शैली, बिना लाग-लपेट के बोलने की आदत, तेज 'मर और जनता के साथ गहरे जुड़ाव को खास तौर पर याद किया। उन्होंने कहा कि अजित दादा का व्यक्तित्व ऐसा था जो लोगों को प्रभावित करता था और प्रेरित भी करता था।

रितेश देशमुख और अजित पवार का क्या है रिश्ता?

-रितेश देशमुख के पिता विलासराव देशमुख, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री थे। उनके कार्यकाल के दौरान अजित पवार कई बार मंत्री रहे और दोनों नेताओं ने अलग-अलग सरकारों में मिलकर काम किया था। खासतौर पर सहकारी क्षेत्र, सिंचाई परियोजनाएं और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों पर विलासराव देशमुख और अजित पवार का राजनीतिक सहयोग रहा था।

-इसी वजह से रितेश देशमुख का अजित पवार से व्यक्तिगत परिचय भी रहा है और दोनों की मुलाकातें राजनीतिक, सामाजिक और पारिवारिक आयोजनों के दौरान होती रही थीं।

देशमुख और पवार परिवारों का राजनीतिक जुड़ाव

-रितेश देशमुख के बड़े भाई अमित देशमुख (लातूर से विधायक) और छोटे भाई धीरज देशमुख भी राजनीति में सक्रिय हैं। इस कारण देशमुख और पवार परिवारों के बीच एक अप्रत्यक्ष लेकिन मजबूत राजनीतिक रिश्ता बना रहा है।

-अजित पवार के निधन पर रितेश देशमुख की प्रतिक्रिया इस बात को दशार्ती है कि महाराष्ट्र की राजनीति और मनोरंजन जगत के बीच कितने गहरे संबंध रहे हैं।

सोशल मीडिया पर उमड़ा शोक

-रितेश देशमुख की इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स, बड़ी संख्या में री-पोस्ट और सैकड़ों भावुक कमेंट्स आए हैं। लोग अजित पवार को एक कठोर प्रशासक, ईमानदार नेता और जमीनी राजनेता के रूप में याद कर रहे हैं।

-रितेश देशमुख की श्रद्धांजलि ने अजित दादा की उस छवि को और मजबूत किया है, जिसके लिए वह जाने जाते थे। अजित पवार एक निर्णायक नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और बेबाक अंदाज वाले व्यक्तित्व वाले इंसान थे।

'नागिन के लिए हाँ कहने से पहले मुझे एक सेकंड भी नहीं सोचना पड़ा' - टीवी के सबसे बड़े विलेन आकाशदीप सहगल कलर्स के नागिन 7 में शामिल हुए

कलर्स का नागिन 7, जिसमें प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल में हैं, न सिर्फ नाग मणि चुरा रहा है, बल्कि टीआरपी चार्ट्स पर भी राज कर रहा है और दर्शकों का दिल जीत रहा है। यह यूनिवर्स पहले से कहीं ज्यादा बोल्ड और बड़ा है, और इस शो में पावरहाउस परफॉर्मर आकाशदीप सहगल शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पहले ही एक जबरदस्त एंट्री करके नागिन यूनिवर्स में तबाही मचा दी है। आकाशदीप ने कई आइकॉनिक विलेन के किरदार निभाए हैं, जिन्होंने भारतीय टेलीविजन पर नेगेटिव किरदारों को नए सिरे से परिभाषित किया है। अब, नौ साल के ब्रेक के बाद, वह कलर्स के नागिन 7 के साथ शानदार वापसी कर रहे हैं, जो महाशेषनागिन की जिंदगी में अभूतपूर्व उथल-पुथल मचाने के लिए तैयार हैं।

जैसे ही अनंता (प्रियंका चाहर चौधरी) अपनी खूनी शादी की तबाही से कमबैक करती है, अपने परिवार के क्रूर नरसंहार का बदला लेने के लिए एक डरावनी महाशेषनागिन में बदल जाती है, एक नया और खतरनाक दुश्मन सामने आता है। इस उथल-पुथल के बीच एरुल की एंट्री होती है, एक ऐसा विलेन जो नाग मणि की रक्षा करने और सूरी परिवार का बदला लेने के अनंता के मिशन को बेपटरी करने की मिशन पर है। उसके आने से अंधेरे का एक नया अध्याय शुरू होता है, जहाँ चुनौती पहले से कहीं ज्यादा ऊंची है और लड़ाइयाँ ज्यादा जानलेवा हैं।

टेलीविजन पर अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी और नागिन 7 में अपने किरदार एरुल के बारे में बात करते हुए, आकाशदीप सहगल ने कहा, 'मैंने पहले भी विलेन का किरदार निभाया है, लेकिन मैंने एरुल जैसा किरदार पहले कभी नहीं निभाया। यह मेरे द्वारा किए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है, रहस्यमयी पोशाक से लेकर दमदार डायलॉग्स और जरूरी मनोवैज्ञानिक गहराई तक। सब कुछ एक अलग लेवल पर है। मेरी एंट्री भी शानदार तरीके से प्लान की गई थी, और मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैंने खुद को रिचार्ज करने और फिर से खोजने के लिए नौ साल का समय लिया, और अब मैं अपने जुनून का हर कतरा इस रोल में लगा रहा हूँ। मैं हर दिन पूरी तरह से तैयार रहता हूँ, इस दमदार दुनिया में खुद को डुबो देता हूँ। जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है मेरे फैंस का अटूट प्यार। नौ साल तक स्क्रीन से दूर रहने के बाद भी, उन्होंने एडिट्स, ट्वीट्स और मेरी वापसी के लिए लगातार अपनी इच्छा जाहिर करके मुझे जिंदा रखा। इस तरह की तारीफ बहुत कम मिलती है और यह मुझे विनम्र बनाती है।नागिन जैसी लोकप्रिय फ्रेंचाइजी के लिए हाँ कहने से पहले मुझे एक सेकंड भी नहीं सोचना पड़ा। एरुल सिर्फ एक विलेन नहीं है; वह एक ताकत है, और मैं उसे पर्दे पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।ह्व

आकाशदीप सहगल के खतरनाक एरुल के रूप में दमदार परफॉर्मेंस ने पहले ही दर्शकों को दीवाना बना लिया है, नागिन 7 में और भी ज्यादा इंटेंस ड्रामा, गहरे ट्विस्ट और रोमांचक मनोरंजन का वादा किया गया है, क्योंकि महाशेषनागिन और उसके खतरनाक नए दुश्मन के बीच महायुद्ध शुरू होने वाला है।

नागिन 7 हर शनिवार और रविवार रात 8:00 बजे, सिर्फ कलर्स पर देखें

विपुल अमृतलाल शाह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड!' का खतरनाक मोशन पोस्टर रिलीज

(जीएनएस)।

विपुल अमृतलाल शाह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड!' का मोशन पोस्टर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। पोस्टर का हर फ्रेम भय, पीड़ा और सच्चाई की गहरी परछाइयों को समेटे हुए नजर आता है। यह विजुअल दर्शकों को झकझोरने वाला है और साफ संकेत देता है कि यह सीक्वल पहले से कहीं ज्यादा गंभीर और असरदार होने वाला है।

30 जनवरी को आएगा टीजर

मेकर्स ने घोषणा की है कि फिल्म का टीजर 30 जनवरी को रिलीज किया जाएगा। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि फिल्म पूरी तरह सच्ची घटनाओं और निर्विवाद तथ्यों से प्रेरित है। मोशन पोस्टर के जरिए ही दर्शकों को यह एहसास करा दिया गया है कि कहानी इस बार और गहराई तक जाएगी।

पहली फिल्म से भी आगे जाने का दावा

'द केरल स्टोरी' के माध्यम से कड़वी और असहज सच्चाइयों को सामने लाने वाले विपुल अमृतलाल शाह अब उससे भी आगे बढ़ने की तैयारी में हैं। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' का मोशन पोस्टर डरावना, आक्रोश से भरा और भावनात्मक रूप से झकझोर देने वाला है, जो दर्शकों को बेचैन कर देता है।

और भी भयावह सच्चाइयों की ओर इशारा

इस बार फिल्म उन पहलुओं को उजागर करने का दावा कर रही है, जो धोखे, इंसानियत और नफरत की सीमाओं से भी आगे जाते हैं। पोस्टर में महिलाओं के आंसुओं, डर और गुस्से से भरे चेहरे साफ दिखाई देते हैं, जो यह संकेत देते हैं कि सीक्वल में दिखाई जाने वाली सच्चाइयां पहले से कहीं ज्यादा कठोर और चौंकाने वाली होंगी।

सिनेमा के जरिए बेबाक सच पेश करने की कोशिश

मोशन पोस्टर बिना किसी समझौते के उस सिनेमा की झलक देता है, जो दर्शकों के सामने कड़वी हकीकत को खुलकर रखने से नहीं डरता। यह फिल्म के उस मकसद को रेखांकित करता है, जिसमें मनोरंजन से ज्यादा सच्चाई को सामने लाने पर जोर है।

पहली फिल्म की सफलता की विरासत

पहली 'द केरल स्टोरी' देश की चर्चित ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल रही, जिसने 'लव जिहाद' और 'कन्वर्जन' जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बेबाक कहानी कहकर व्यापक बहस छेड़ दी थी। इसे एक 'ब्लैक स्वान इवेंट' माना गया और बाद में दो श्रेणियों में नेशनल अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया।

फिल्म की टीम और रिलीज डेट

'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड!' सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। नेशनल अवॉर्ड विजेता कमाख्य नारायण सिंह इसके निर्देशक हैं। कहानी और स्क्रीनप्ले अमरनाथ झा व विपुल अमृतलाल शाह ने लिखा है। आशिन ए. शाह सह-निमार्ता हैं, संगीत मनन शाह का और गीत मनोज मुनताशिर के हैं। यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कीवी टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और दबाव बनाते हुए टीम इंडिया को 165 पर आउट कर मैच जीत लिया

भारत के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 215 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया और टीम इंडिया को 165 पर आउट कर मैच जीत लिया। कीवी टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा।

न्यूजीलैंड को तेज शुरूआत मिली। डेवोन कॉनवे ने 23 गेंदों में 44 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके साथ विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने शानदार पारी खेली। सिफर्ट ने 36 गेंदों पर 62 रन बनाए और 7 चौके व 3 छक्के लगाए। इन दोनों की पारियों की बदौलत टीम ने पावरप्ले में मजबूत आधार तैयार कर लिया।

मध्यक्रम में ग्लेन फिलिप्स ने 16 गेंदों पर 24 रन जोड़े। हालांकि रचिन रविंद्र और मार्क चैपमैन बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन रन गति बनी रही। अंत के ओवरों में डेरिल मिचेल ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 18 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए और टीम को 200 के पार पहुंचाया। कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी 6 गेंदों में 11 रन का योगदान दिया।

भारत की ओर से कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। रवि बिश्नोई और जसप्रीत बुमराह को एक-एक सफलता मिली, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। बावजूद इसके भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड को बड़े स्कोर से नहीं रोक सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया की खराब शुरूआत रही। धांसू फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा पहली गेंद पर गोल्डन डक पर वापस चले गए। कप्तान सूर्यकुमार यादव 8 रन के निजी स्कोर पर चलते बने। इसके बाद सैमसन एक बार फिर से फ्लॉप हो गए। वह अच्छी शुरूआत के बाद 15 गेंदों में 24 रन बना चलते बने। उनके बाद हार्दिक पांड्या भी 2 रन के स्कोर पर आउट हो गए और टीम इंडिया की हालत खराब हो गई।

रिंकू सिंह क्रीज पर टिके थे और जीत की उम्मीद भी जगाई लेकिन वह 39 रनों के निजी स्कोर पर आउट होकर चले गए। इस बीच शिवम दुबे का तूफानी अंदाज देखने को मिला। उन्होंने चौके और छक्कों की बारिश करते हुए 15 गेंदों में फिफ्टी जमा डाली। भारत के लिए यह तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

धांसू बैटिंग कर रहे दुबे 23 गेंदों में 65 रन बनाकर रन आउट हो गए और कीवी टीम को वापसी का मौका मिल गया। दुबे ने अपनी पारी में 7 छक्के और 3 चौके जड़े। इसके बाद भारतीय टीम 19वें ओवर तक 165 रन बना आउट हो गई और कीवी टीम ने सीरीज में अपना पहला मैच जीत लिया। कीवी टीम के लिए सैंटनर ने 3 विकेट झटके।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

पश्चिम रेलवे चलाएगी साबरमती-बीकानेर और पोरबंदर-जोधपुर के बीच वन-वे स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-बीकानेर और पोरबंदर-जोधपुर के बीच विशेष किराये पर दो वन-वे स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 09491 साबरमती-बीकानेर वन-वे स्पेशल

ट्रेन संख्या 09491 साबरमती-बीकानेर वनवे स्पेशल शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 को साबरमती से 17.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.30 बजे बीकानेर पहुंचेगी।

मार्ग में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, जोधपुर एवं नागौर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

- ट्रेन संख्या 09291 पोरबंदर-जोधपुर वन-वे स्पेशल

ट्रेन संख्या 09291 पोरबंदर-जोधपुर स्पेशल रविवार, 01 फरवरी 2026 को पोरबंदर से 19.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे जोधपुर पहुंचेगी।

यह ट्रेन मार्ग में वांसजालिया, लालपुर जाम, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल एवं समदड़ी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09491 और 09291 की बुकिंग 29 जनवरी,2026 सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस का महा उत्सव

लखनऊ।

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट द्वारा हजरतगंज स्थित हनुमान मंदिर के समीप भव्य झंडारोहण समारोह का आयोजन किया गया। विविध धर्मगुरुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय एकता, सौहार्द और भाईचारे का जीवंत उदाहरण बना दिया।

धर्मगुरुओं की मौजूदगी में विधिवत झंडारोहण के पश्चात लड्डू वितरण किया गया तथा देश की एकता, अखंडता और अमन-चैन के लिए विशेष दुआ की गई। इस अवसर पर जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा ने गणतंत्र दिवस को देश का सबसे बड़ा पर्व बताते हुए सभी नागरिकों से इसे पूरे हर्ष, उल्लास और देशभक्ति के साथ मनाने का आह्वान किया।

झंडारोहण समारोह में प्रमुख रूप से मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, हरपाल सिंह जग्गी, फादर, वेद व्रत बाजपेई सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।शाम को भारत पर्व का भव्य आयोजन

शाम के समय हजरतगंज मल्टीलेवल पार्क के बाहर भारत पर्व के रूप में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देशभक्ति गीतों, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों, हास्य कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू शो एवं सम्मान समारोह ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे समाज में एकता और सौहार्द का सशक्त प्रतीक बताया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया गया।

इस सफल आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में मुर्तजा अली, जुबैर अहमद, अब्दुल वहीद, वामिक खान एवं महेश दीक्षित का विशेष योगदान रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने अपनी सहभागिता से इस राष्ट्रीय उत्सव को यादगार बना दिया।

रायबरेली जनपद के विकास क्षेत्र सलोन के प्राथमिक विद्यालय गौवा बाजार में जांची गई भाषा व गणित की दक्षता

रायबरेली के सलोन विकास क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय गौवा बाजार ने शैक्षिक गुणवत्ता के मामले में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम द्वारा भाषा व गणित की दक्षता का आकलन कर शैक्षणिक प्रगति को सुनिश्चित किया गया।

डीएलएड प्रशिक्षु अमित मिश्रा एवं अभिषेक श्रीवास्तव ने निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया। कक्षा 1 में नामांकित 11 छात्रों के सापेक्ष 10 और कक्षा 2 में नामांकित 17 छात्रों के सापेक्ष 12 छात्रों का आकलन किया गया जिसमें कक्षा एक से 10 के सापेक्ष 10 छात्र एवं कक्षा 2 में आकलित 12 छात्रों के सापेक्ष सापेक्ष 12 छात्र आकलन में दक्ष/निपुण पाए गए। आकलित कुल 22 विद्यार्थियों में 22 छात्रों की भाषा व गणित की दक्षता का आंकलन किया गया जिसमें की स्कूल की बेहतरीन शैक्षिक गुणवत्ता को प्रमाणित करता है।

विद्यालय के प्रधान अध्यापक मोहम्मद वसीम के अनुसार यह सफलता हमारे विद्यालय के शिक्षकों की कड़ी मेहनत का परिणाम है इस उपलब्धि में डफ्फ संदीप सिंह एवं तुलसीराम अफ्फ गौरव शर्मा,कृष्ण कुमार वैश्य के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक सै0 साजिद अली जैदी,बीना,बबली गुप्ता,अजय प्रताप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही यह परिणाम विद्यालय में चल रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्यक्रम के सफलता को दशार्ता है।

टाइम्स कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

सलोन, रायबरेली । कस्बे के प्रतिष्ठित टाइम्स कॉन्वेंट स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। विद्यालय के प्रबंधक अनीस अहमद ने ध्वजारोहण कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

प्रधानाचार्य शमीम अहमद ने अपने संबोधन में देश की प्रगति में शिक्षा की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से देश का जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया।

विद्यालय की ओर से निकाली गई भव्य परेड कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। परेड स्कूल प्रांगण से प्रारंभ होकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलोन तक पहुंची। इस दौरान छात्रों ने अनुशासन, एकता और जोश का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए मार्ग में लोग जुटे रहे।

इसके पश्चात आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया और माहौल पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य दिलशाद सर ने घोषणा की कि विद्यालय में आगामी दो दिनों तक नए प्रवेश पर 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी। साथ ही उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की सक्रिय सहभागिता रही। पूरे परिसर में उत्साह और राष्ट्रप्रेम का वातावरण देखने को मिला। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अज्ञात बदमाशों ने 35 भेड़ों को किया पार, पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के बरैयपुर गांव के पास बनी पानी टंकी के समीप अज्ञात बदमाशों ने रात्रि के अंधेरे में चरवाहों की 35 भेड़ों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद निवासी खैरई गडरियन का पुरवा एवं वीरेंद्र निवासी नसीरपुर अपनी भेड़ों को चराने के लिए खंतवा की ओर गए हुए थे। वापसी के दौरान अंधेरा हो जाने के कारण दोनों चरवाहे बरैयपुर गांव के किनारे बनी पानी टंकी के पास भेड़ों को बैठाकर खाना-पीना खाकर वहीं सो गए।

पीड़ितों के अनुसार रात्रि लगभग 1 से 2 बजे के बीच अज्ञात बदमाश एक पिकअप वाहन से मौके पर पहुंचे और 35 भेड़ों को वाहन में लादकर फरार हो गए। चरवाहों ने बताया कि उनके पास कुल 140 भेड़ें थीं, जिनमें से 35 भेड़ों को बदमाश ले गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों की तलाश शुरू की। पुलिस द्वारा संभावित रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। इस मामले में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब की आप सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मानजी का अहमदाबाद में आगमन

गुजरात में आप का संगठन मजबूत, गांव-गांव और शहरों में बड़ी-बड़ी सभाएं हो रही हैं: भगवंत मान

विसावदर उपचुनाव में गोपाल इटालिया की जीत एक बड़ा संकेत: भगवंत मान

अरविंद केजरीवालजी का शिक्षा और स्वास्थ्य का मॉडल, जिसे पंजाब में भी लागू किया गया है, उसे गुजरात में भी लागू करेंगे: भगवंत मान

SIR की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं तो चुनाव आयोग को सामने आकर संतोषजनक कदम उठाने चाहिए: भगवंत मान

SIR द्वारा यदि नकली जनता बनाई जाती रही तो फिर लोकतंत्र कैसे बचेगा?: भगवंत मान

UGC मुद्दे पर यदि कोई सवाल उठ रहे हैं तो उस पर संतोषजनक निरीक्षण होना चाहिए: भगवंत मान

पंजाब ने सबसे अधिक बलिदान दिए हैं और अनाज की कमी के समय ग्रीन रिवोल्यूशन में भी पंजाब का बड़ा योगदान रहा, फिर भी आज तक पंजाब के पास अपनी राजधानी नहीं है: भगवंत मान

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवारजी की आत्मा को भगवान शांति दे: भगवंत मान

अहमदाबाद/गुजरात

पंजाब की अअढ सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मानजी का आज शाम अहमदाबाद में आगमन हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी, विधायक गोपाल इटालिया, विधायक चैतर वसावा, प्रदेश संगठन महामंत्री मनोज सोरठिया और प्रदेश मुख्य प्रवक्ता डॉ. करन बारोट सहित बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत मान का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अजित पवार का एक गंभीर दुर्घटना में निधन हुआ है। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्राप्त हो और हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वर्तमान में गुजरात में हमारी पार्टी का संगठन बहुत मजबूत रूप से खड़ा हुआ है। गांव-गांव जनसभाएं हो रही हैं और बड़े शहरों में भी लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुजरात की जनता अब बदलाव चाहती है। अब तक जो माहौल हमने देखा है, उससे स्पष्ट होता है कि गुजराती जनता कुछ नया चाहती है। कांग्रेस तो यहां लगभग नजर ही नहीं आती। विसावदर से गोपाल इटालिया की शानदार जीत और वह भी बड़े मार्जिन से, आम आदमी पार्टी के लिए एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है और हम और अधिक मेहनत के साथ काम करेंगे। अरविंद केजरीवालजी का स्वास्थ्य और शिक्षा का जो मॉडल है, उसे हमने दिल्ली और पंजाब में सफलतापूर्वक लागू किया है, उसी तरह गुजरात में भी घर-घर तक पहुंचाएंगे।

रक्ष मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यदि किसी भी राजनीतिक पार्टी को, चाहे वह राष्ट्रीय पार्टी हो या राज्य स्तरीय पार्टी, किसी भी प्रकार की आपत्ति या शंका हो, तो चुनाव आयोग को स्वयं आगे आकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। चुनाव आयोग को ह्व72 घंटे में माफी मांगोह्व जैसी शर्तें नहीं रखनी चाहिए या दबावपूर्ण निर्देश नहीं देने चाहिए, बल्कि पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से पूरी प्रक्रिया की जनता के सामने संतोषजनक जांच करनी चाहिए। यदि रक्ष द्वारा नकली जनता बनाई जाती रही तो फिर लोकतंत्र कैसे बचेगा? यह तो लोकतंत्र के लिए खतरनाक बात है। वक्ष मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वक्ष बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटियों और बड़ी परीक्षाओं का आयोजन करता है। मेरा स्पष्ट कहना है कि किसी भी मुद्दे पर यदि किसी को आपत्ति हो—चाहे वह शैक्षणिक संस्थाएं हों, चुनाव आयोग हो या कोई अन्य संवैधानिक संस्था—तो स्पष्टीकरण देना और संतोष प्रदान करना उनकी जिम्मेदारी है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अब यदि पंजाब की बात करें तो देश के लिए सबसे अधिक बलिदान देने वाले राज्यों में पंजाब अग्रणी रहा है। जब देश को अनाज की जरूरत पड़ी, तब पंजाब के किसानों ने ग्रीन रिवोल्यूशन कर अनाज के भंडार भर दिए। फिर भी आज तक पंजाब की अपनी राजधानी नहीं है। चंडीगढ़, जो पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है, वास्तव में पंजाब का अधिकार बनता है। यह मुद्दा पहले भी कई बार उठ चुका है। पंजाब के पास अपनी अलग हाईकोर्ट नहीं है। जबकि नॉर्थ-ईस्ट के छोटे-छोटे राज्यों के पास भी अपनी हाईकोर्ट है। इस कारण मामलों की पेंडेंसी बहुत बढ़ गई है और व्यवस्था पर भारी बोझ है। आज के समय में कोई भी राज्य ऐसा नहीं होना चाहिए जिसकी अपनी राजधानी न हो। चंडीगढ़ पंजाब की ही राजधानी है और पंजाब की ही राजधानी होनी चाहिए।

चामुंडा कॉलोनी में 28 लाख से बनेगी आरसीसी सड़क : पार्षद ने किया शुभारंभ

-जनता बोली पार्षद ने किया वादा पूरा, पटुका और माला पहनाकर किया स्वागत

मथुरा (जीएनएस)। नगर निगम के वार्ड नंबर 36 जयसिंहपुरा की चामुंडा कॉलोनी में करीब 28 लाख से बनने वाली आरसीसी सड़क का शुभारंभ कैबिनेट पार्षद सदस्य राकेश भाटिया ने विधि-विधान से नारियल फोड़कर किया। सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को जेसीबी से तुड़वाकर चौड़ीकरण कराया गया। इस मौके पर पार्षद का स्थानीय लोगों ने पटुका और माला पहनाकर स्वागत किया। इस बीच सभी लोगों के चेहरे पर साफ खुशी दिखाई दे रही थी कि आखिरकार पार्षद ने किया वादा पूरा कर दिया। इस मौके पर पार्षद ने बताया कि दोनों तरफ नाली और इंटरलॉकिंग लगेंगी तो मध्य में आरसीसी सड़क बनाई जाएगी। इस मौके पर पार्षद का स्वागत करने वालों में भाजपा नेता ब्रजबिहारी जादौन, पूर्व सभासद सत्येंद्र शर्मा, मुरारी ठाकुर, मनीष अग्रवाल, जीतू ठाकुर, महेश अग्रवाल, कृष्णा ठाकुर, विनय अग्रवाल, उमेश शर्मा, गौरव शर्मा, सनी ठाकुर, विक्रांत गौड़, सोनू कुमार और ठेकेदार राकेश सारस्वत मौजूद रहे।

बहन जी के मान सम्मान और आशा पर पूरा खडरा उतरूंगा-हरि प्रकाश निषाद

हरिप्रकाश निषाद जी को जिला अध्यक्ष बनाना बहन जी का ऐतिहासिक फैसला..... जावेद सिमनानी

गोरखपुर 28 जनवरी 2026 को बहुजन समाज पार्टी मंडल कार्यालय पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष आयरन लेडी बहन सुश्री मायावती जी के द्वारा नव नियुक्त जिला अध्यक्ष माननीय हरि प्रकाश निषाद जी को बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं ने जिला महासचिव परमेश्वर शर्मा उर्फ छोटू सहारा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत व खैरमकदम किया ।इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी श्री जावेद सिमनानी मौजूद रहे। कार्यकताओं का जोश को देखते हुए श्री जावेद सिमनानी ने कहा कि बहन जी ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बैकवर्ड समाज के नेता आदरणीय हरिप्रकाश निषाद जी को गोरखपुर जनपद का जिला अध्यक्ष बनाया है यह पूरे पिछड़े समाज का सम्मान है आदरणीय हरिप्रकाश निषाद जी के गोरखपुर जिले का जिला अध्यक्ष बनने से कार्यकताओं में बहुत उत्साह और जोश है आने वाले दिनों में गोरखपुर की 9 की 9 सीट बहुजन समाज पार्टी जीत कर बहन जी की झोली में डालेगी। इस मौके पर कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष श्री हरिप्रकाश निषाद जी ने कहा की माननीया बहन जी ने जिस विश्वास के साथ मुझको गोरखपुर का ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया है मैं उस विश्वास पर तन मन धन से पूरा खरा उतरूंगा और कार्यकताओं के मान सम्मान के लिए अपनी जान लड़ा दूंगा । इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी चौरी चौरा श्री वीरेंद्र पांडे ने भी श्री हरिप्रकाश निषाद जी को बधाई दी और कहा कि यह फैसला पूर्वांचल में बहुजन समाज पार्टी को काफी मजबूती प्रदान करेगा ।

इस मौके पर पूर्व में जिलाध्यक्ष रहे श्री घनश्याम राही जी का भी मंडल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर कार्यकताओं ने स्वागत किया। कार्यक्रम में सर्वश्री जावेद सिमनानी(पूर्व लोकसभा प्रत्याशी-गोरखपुर), जितेंद्र नीरज मंडल प्रभारी,ओमनारायण पांडे, विद्यानंद यादव, इंद्रजीत निषाद जिलापंचायत सदस्य, दारा सिंह निषाद, राजकपूर निषाद, विनोद निषाद अरविंद सिंह सिराजुद्दीन, अमरचंद दूबे, रामदेव पासवान, वाजिद अली, रामगति निषाद, राजेंद्र राजभर नवल किशोर नथानी, संदेश कन्नौजिया मो असलम, ख्वाजा शमसुद्दीन, संगम, मोहन, अनिल प्रताप बौद्ध विमल कांत गौतम, महानंद गौतम, सुनील कुमार भारती, रामू भारती, जयकार प्रसाद, रामू प्रसाद, अमित चंद्र गौतम, दीपक कुमार, सुरेश प्रसाद, देवकीनंदन, हरीशचंद गौतम, एजाज अहमद सहित हजारों कार्यकर्ता पदाधिकारी समर्थक उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने दबोचा शातिर वाहन चोर :

चोरी की बाइक हुई बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित रेलवे अस्पताल के पास से पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और चौकी प्रभारी धौली प्याऊ अरविंद सिवाच पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे अस्पताल के पास खंडहर रेलवे क्वार्टर के निकट एक शातिर वाहन चोर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और चौकी प्रभारी अरविंद सिवाच पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा शातिर वाहन चोर भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर वाहन चोर राहुल पुत्र अनवर निवासी गोपालपुरा थाना हाईवे को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

गोविंदनगर पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना गोविंदनगर क्षेत्र स्थित संत रविदास बगीची के पास से पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी गोविंदनगर रवि त्यागी और चौकी प्रभारी मसानी महेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि पुरानी रेलवे लाइन संत रविदास बगीची के पास एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रवि त्यागी और चौकी प्रभारी महेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश राजा बाबू उर्फ राजा खांन पुत्र रशीद खांन निवासी कच्ची सड़क, बैरागपुरा विसायती खिड़की थाना गोविन्दनगर को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर की तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

बारामती के लाडले की निधन से सूना पड़ा इलाका, 3 दिनों तक क्या खुलेगा और क्या रहेगा बंद?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति के 'दादा' और बारामती के सबसे चहेते नेता, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन ने पूरे प्रदेश को सकते में डाल दिया है। बुधवार, 28 जनवरी 2026 को पुणे के पास बारामती में हुई विमान दुर्घटना में उनके निधन की खबर के साथ जनजीवन थम गया। अपने लाडले नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए स्थानीय प्रशासन और व्यापारिक संगठनों ने स्वेच्छा से तीन दिनों के पूर्ण बंद का निर्णय लिया है।

अजित पवार के सम्मान में बारामती और आसपास के ग्रामीण इलाकों में सन्नाटा पसर गया है। पूरे राज्य में शोक की लहर है और पुणे शहर की भी रफ्तार थम गई है। 6 बार प्रदेश के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के अंतिम दर्शन के लिए दूर-दराज से लोग पहुंच रहे हैं।

बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान: बारामती के मुख्य बाजार, कपड़ा मंडी, और औद्योगिक क्षेत्र पूरी तरह बंद रहेंगे। व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी जा रही हैं।

शिक्षण संस्थान: बारामती के सभी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान तीन दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। परीक्षाओं को भी पुनर्निर्धारित किया गया है।

निजी कार्यालय: निजी कंपनियों और कॉर्पोरेट ऑफिसों में छुट्टी नहीं दी

गई है, लेकिन पुणे में कई कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी है।

सार्वजनिक परिवहन: स्थानीय बस सेवा (ST) और निजी टैक्सियों का संचालन सीमित रहेगा। बारामती आने-जाने वाली प्रमुख बसें केवल आपातकालीन स्थिति में चलेंगी।

क्या खुला रहेगा?

– आम जनता की असुविधा को देखते हुए कुछ आवश्यक सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया है

– अस्पताल और मेडिकल स्टोर: सभी सरकारी व निजी अस्पताल और दवा की दुकानें 24 घंटे खुली रहेंगी।

– दूध और किराना: सुबह 7 बजे से 10 बजे तक दूध वितरण और दैनिक राशन की दुकानों को सीमित समय के लिए खोलने की अनुमति दी गई है।

– आपातकालीन सेवा: फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और पुलिस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहेंगी।

राजकीय शोक और सुरक्षा व्यवस्था

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में एक दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है, जबकि बारामती में स्थानीय स्तर पर यह तीन दिनों तक प्रभावी रहेगा। तिरंगा आधा झुका दिया गया है। बारामती में भारी संख्या में उमड़ने वाली समर्थकों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने धारा 144 के तहत सुरक्षा कड़ी कर दी है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

एनएचआरसी, दिव्यांगता पर भारत के कोर ग्रुप ने 'दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों के प्रमाणपत्र के दोबारा सत्यापन और फिर से आकलन के कारण होने वाले मानवाधिकार उल्लंघन' पर चर्चा की

अध्यक्ष, जस्टिस श्री वी. रामासुब्रमण्यन ने कानूनी नतीजों का हवाला देते हुए सुझाव दिया कि बड़े पैमाने पर सभी दिव्यांग कर्मचारियों के दोबारा सत्यापन के बजाय सिर्फ. खास संदेह वाले मामलों की ही जांच की जाए

एनएचआरसी सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी प्रतिनिधियों और अलग-अलग साझेदारों की मौजूदगी में हुई बैठक में अन्य सुझावों के साथ-साथ दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के महत्व पर भी जोर

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), इंडिया ने नई दिल्ली में 'सरकारी दिव्यांग कर्मचारियों के प्रमाणपत्र के दोबारा सत्ॅयापन और फिर से आकलन के कारण होने वाले मानवाधिकार उल्लंघन' पर हाइब्रिड मोड में एक कोर ग्रुप बैठक आयोजित की। इसकी अध्यक्षता एनएचआरसी, इंडिया के अध्यक्ष, जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यन ने की। जस्टिस (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी और श्रीमती विजया भारती सयानी सदस्य; सेक्रेटरी जनरल, श्री भरत लाल, कोर ग्रुप के सदस्य, विशेष आमंत्रित, अन्य सीनियर अधिकारी, सरकारी प्रतिनिधि और किसी विशेष विषय के विशेषज्ञों ने बैठक में हिस्सा लिया।

जस्टिस रामासुब्रमण्यन ने कहा कि यह समझा जा सकता है कि केन्द्र की सरकारी नौकरियों/शिक्षा में दिव्यांगता सत्यापन के प्रबंधन के लिए 15 अक्टूबर 2025 को जारी संशोधित सलाह और एसओपी सिर्फ. नए आवेदकों पर लागू होगी, न कि सभी मौजूदा लाभार्थियों का फिर से आकलन करने के लिए। उन्होंने कहा कि उन सभी पर एसओपी को पिछली तारीख से लागू करने के कानूनी नतीजे हो सकते हैं। इसलिए, बड़े पैमाने पर सत्यापन के बजाय, जांच सिर्फ. उन मामलों तक सीमित होनी चाहिए जहां कोई खास संदेह हो।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत कानून हैं, लेकिन उनका लागू होना चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे मामले हो सकते हैं जहाँ कुछ योग्य दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को योजनाओं का लाभ नहीं मिलता है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि लाभार्थी कानूनों के दुरुपयोग के मामले भी हो सकते हैं।

जस्टिस रामासुब्रमण्यन ने कहा कि कभी-कभी अधिकारियों से संपर्क करना मुश्किल होता है और सिर्फ. अच्छे सम्पर्क वाले या पढ़े-लिखे परिवार ही व्यवस्था तक प्रभावी ढंग से पहुँच पाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से दिव्यांग लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और कानूनी ढांचे और उसके लागू होने में व्यवस्था की कमियों को दूर करके उनकी गरिमा सुनिश्चित करने के उपाय सुझाने का आग्रह किया।

एनएचआरसी, भारत के सदस्य,

जस्टिस (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की कानूनी फायदों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उचित मेडिकल देखभाल और सही प्रमाणपत्र मिलना चाहिए। गलत या फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र पर चिंता जताते हुए, उन्होंने कहा कि कम आकलन अक्सर व्यक्तियों को उनके अधिकारों से वंचित कर देता है, और मेडिकल बोर्ड द्वारा कड़ी जांच की मांग की। उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास और आजीविका सहायता की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांग व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सकें, इसके लिए एक समन्वित और दयालु दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। उन्होंने दिॅयांगता प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के महत्व पर जोर दिया।

एनएचआरसी, भारत की सदस्य श्रीमती विजया भारती सयानी ने कहा कि दिव्यांगता ऐसी चीज नहीं है जिसे बार-बार साबित करना पड़े। दिव्यांग व्यक्तियों का बार-बार सत्यापन होने से चिंता, डर और असुरक्षा पैदा हो रही है, खासकर नौकरी की निरंतरता को लेकर। उन्होंने मेडिकल बोर्ड तक खराब पहुंच को उजागर किया और कहा कि जो दिॅयांगता ठीक नहीं हो सकती, उन पर बार-बार जांच लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने फंक्शनल, सुविधा-आधारित आकलन, घर पर सत्यापन और सेवाओं, समय-सीमा वाली प्रक्रियाओं, अधिकारियों के लिए दिव्यांगता अधिकार प्रशिक्षण, ऑनलाइन पहुंच और समर्पित शिकायत सेल की मांग की।

इससे पहले, बैठक की विषय सूची तय करते हुए, एनएचआरसी, इंडिया के सेक्रेटरी जनरल, श्री भरत लाल ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, साथ ही कानूनी प्रावधानों के दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अक्टूबर 2025 के एसओपी को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया, जिसमें दिव्यांगता प्रमाण पत्रों का डिजिटल सत्यापन, दिव्यांगता के प्रकार, प्रतिशत और कार्यात्मक उपयुक्तता का मूल्यांकन और एक अपीलीय तंत्र शामिल है। हालांकि, दिव्यांगता का दोबारा मूल्यांकन दखल देने वाला हो सकता है और लोगों को लगता है कि उनकी गरिमा से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि 2016 के कानून ने आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन दुरुपयोग और कमजोर सामाजिक मूल्यों के कारण असली दिव्यांग व्यक्तियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के सामूहिक विचार-विमर्श और सक्रिय भागीदारी से इस मुद्दे को हल करने के लिए सिफारिशें और सुझाव सामने आएंगे।

इससे पहले, एनएचआरसी, भारत की संयुक्त सचिव, श्रीमती सैडिंगपुई छकछुआक ने बैठक के तीन तकनीकी सत्रों का संक्षिप्त विवरण दिया। ये थे 'आरपीडब्ल्यूडी कानून, 2016 के साथ प्रशासनिक निगरानी में तालमेल बिठाना', 'सयापन प्रक्रिया में गरिमा और भेदभाव न होना' और 'यूडीआईडी फ्रेमवर्क के जरिए डिजिटल सत्यापन को मजबूत करना।'

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग में संयुक्त सचिव श्री राजीव शर्मा, एमओएसजेई ने कैंप मोड में दिव्यांगता आकलन के संचालन के बारे में चिंताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभागों, मीडिया और समाज से फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्रों के बारे में मिली रिपोर्टों को स्वीकार किया। पुनर्मूल्यांकन के मुद्दे पर, उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग का प्राथमिक इरादा उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले और सरकारी नौकरियों में भर्ती के चरण में उचित सावधानी सुनिश्चित करना था। उन्होंने आरपीडब्ल्यूडी कानून, 2016 की धारा 91 का उल्लेख किया, जो फर्जी दावों के लिए सजा का प्रावधान करती है, जिसमें जेल और जुमार्ना शामिल है। उन्होंने कहा कि विभाग का इरादा प्रवेश की अवस्था में दिव्यांगता प्रमाणन की हाई-रिजॉल्यूशन जांच करना था। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि धोखाधड़ी कभी-कभी बाद में सामने आ सकती है, ऐसे उदाहरणों का हवाला देते हुए जहां व्यक्तियों का पता सेवा में शामिल होने के बहुत बाद चला। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में की गई कार्रवाई कानून के तहत सही थी।

दिव्यांग व्यक्तियों के आयुक्ॅत डॉ. एस. गोविंदराज ने कहा कि सत्यापन तंत्र को लक्षित और आनुपातिक रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वास्तविक दिव्यांग व्यक्तियों को अनावश्यक रूप से असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मौजूदा दिशानिर्देश बड़े पैमाने पर पुनर्मूल्यांकन के बजाय सत्यापन पर जोर देते हैं।

इसमें शामिल होने वालों में एनएचआरसी के वरिष्ठ अधिकारी, श्रीमती अनुपमा निलेकर चन्द्रा, डीजी (आई); श्री जोगिंदर सिंह, रजिस्ट्रार (कानून); श्री समीर कुमार, संयुक्ॅत सेक्रेटरी; डॉ. पूर्वा मित्तल, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली यूनिवर्सिटी और एनएचआरसी की विशेष निगरानी (महिला और दिव्यांगता मुद्दे); प्रो. (डॉ.) अमिता ढांडा, डॉ. सतेन्द्र सिंह, फिजियोलॉजी के डायरेक्टर-प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज और जीटीबी हॉस्पिटल; डॉ. वैभव भंडारी, संस्थापक, स्वावलंबन फाउंडेशन; श्री मुरलीधरन विश्वनाथ, महासचिव, नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर राइट्स ऑफ द डिसेबल्ड; श्री राजीव रतूड़ी, सलाहकार, श्री अरमान अली, कार्यकारी निदेशक, नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी); श्री अखिल एस. पॉल, निदेशक, सेंस इंटरनेशनल (इंडिया); श्री निपुण मल्होत्रा, सह-संस्थापक, निपमैन फाउंडेशन, और अन्य लोग शामिल थे।

'भारत का क्रेडिट परिदृश्य तेजी से परिपक्व हो रहा है' – विवेक सिंह, सीईओ, होम क्रेडिट इंडिया

भारत का क्रेडिट परिदृश्य तेजी से परिपक्व हो रहा है, जहां पर्सनल लोन, ईएमआई आधारित उत्पाद, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी और टू-व्हीलर लोन जैसे विकल्प लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों के साथ-साथ उनकी आकांक्षाओं को भी पूरा कर रहे हैं। 'हाउ इंडिया बॉरोज 7.0' अध्ययन के अनुसार, आज उधार लेने के फैसलों में वहनयोग्यता और लचीलापन सबसे अहम हैं—46% उपभोक्ता आसान ईएमआई को प्राथमिकता देते हैं, 38% तेज डिस्बर्सल को महत्व देते हैं और 37% ग्राहक समय से पहले लोन बंद करने जैसी सुविधाएं चाहते हैं। यह रुझान पारदर्शी और ग्राहक-केंद्रित क्रेडिट समाधानों की बढ़ती मांग को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

साथ ही, उपभोक्ता अब कर्ज. लेने को लेकर अधिक सजग हो रहे हैं, जिससे वित्तीय साक्षरता और जिम्मेदार उधार प्रथाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता भी सामने आती है, विशेषकर अनसिक्योर्ड लेंडिंग के विस्तार के साथ।

2026 के केंद्रीय बजट से हमारी अपेक्षा है कि वह जिम्मेदार लेंडिंग को बढ़ावा देने पर निरंतर ध्यान दे—जिसमें वित्तीय जागरूकता, पारदर्शिता के मजबूत ढांचे और उन्नत क्रेडिट इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश शामिल हो। ऐसे कदम उपभोक्ताओं को भरोसे और स्पष्टता के साथ क्रेडिट अपनाने में सक्षम बनाएंगे।

2025 के बजट में उपभोग को प्रोत्साहन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती और वित्तीय समावेशन पर दिया गया जोर एक मजबूत आधार तैयार कर चुका है। इसी गति को आगे बढ़ाते हुए, आगामी बजट क्रेडिट को भारतीय परिवारों के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और रोजमर्रा की स्थिरता का सशक्त माध्यम बना सकता है। — विवेक सिंह, सीईओ, होम क्रेडिट इंडिया

ब्रज मंडल क्षत्रिय सभा समेत सर्वण समाज ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए की नारेबाजी : यूजीसी को बताया काला कानून

-मोदी सरकार से यूजसी कानून को वापस लेने की मांग

-यूजीसी कानून वापस न लेने पर नारेबाजी, प्रदर्शन और आंदोलन करेगा सर्वण समाज

मथुरा (जीएनएस)। भाजपा की मोदी सरकार द्वारा सर्वण समाज पर थोपे गए यूजीसी कानून के विरोध में क्षत्रिय राजपूत सभा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने सर्वणक्षत्रिय राजपूत समाज के सैंकड़ों लोगों के साथ मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए यूजीसी के काले कानून को वापस लेने की मांग की। जानकारी के अनुसार क्षत्रिय राजपूत महासभा प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में महासभा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सवर्ण समाज के लोगों ने महाराणा प्रताप भवन देवीपुरा-बाजना बाटी रोड़ पर प्रदेश अध्यक्ष

ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत सभा ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में सामान्य वर्ग के बच्चों पर थोपे गए यूजीसी जैसे काले कानून का पुरजोर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी। इस बीच क्षत्रिय सभा के पदाधिकारी और सर्वण समाज के लोगों ने मोदी सरकार से मांग करते हुए कहा कि यूजीसी जैसे काले कानून को मोदी वापस ले। उन्होंने एक स्वर में कहा कि यूजीसी का काला कानून अगर मोदी सरकार ने वापस नहीं लिया तो मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तथा आंदोलन का विकराल रूप धारण करेंगे और सरकार को घुटनों पर लाएंगे। इस दौरान सर्वण समाज के प्रदर्शन को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान, थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी सतोहा औप चौकी प्रभारी राधापुरम एस्टेट रोहन कुचालिया मौजूद रहे। इस मौके पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ठा. मुकेश सिंह सिकरवार ने कहा कि सामान्य वर्ग के बच्चों के

हनी ट्रैप गैंग : बलात्कार के मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर पचास लाख मांग रही शातिर महिला गिरफ्तार

-गैंग में शामिल तीन फरार आरोपी की तलाश जारी

-बरेली के व्यक्ति को फंसाकर मांग रहे थे 50 लाख

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित एक होटल से पुलिस ने हनी ट्रैप में फंसाकर लोगों को बलात्कार के फर्जी मुकदमें में जेल भिजवाने की धमकी देकर 50 लाख रूपए की मांग करने वाली एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और चौकी प्रभारी बागबहादुर मांगेराम पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि हनी ट्रैप में फंसाकर लोगों को बलात्कार के फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रूपए मांगने वाली एक महिला, नए बस स्टैंड के निकट अमर होटल में आयी हुई है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र, चौकी प्रभारी बागबहादुर मांगेराम और एसआई कंचन पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने बलात्कार के मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रूपए की मांग करने वाली शातिर महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़ी गई महिला से घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया है। इस संबंध में सीओ सिटी ने बताया कि पकड़ी गई महिला और उसके तीन साथियों ने गांव पढ़ेरा थाना फरीदपुर जिला बरेली के रहने वाले एक व्यक्ति को हनी ट्रैप में फंसा लिया था। इसके बाद पकड़ी गई शातिर महिला ने उससे मुलाकात की और इसके बाद ब्लैकमेल करने का सिलसिला शुरू हो गया। पकड़ी महिला और उसके साथियों ने हनी ट्रैप में फंसाए व्यक्ति से बलात्कार के फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की मांग करने लगे। पीड़ित व्यक्ति को शातिरों ने बुला लिया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित व्यक्ति किसी प्रकार शातिरों के चंगुल से निकल कर एसएसपी से मिला और हनी ट्रैप गैंग की शातिर महिलाओं और उनके साथियों से बचाने की गुहार लगाई। इसके बाद एसएसपी ने कोतवाली पुलिस को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करके कोतवाली पुलिस उसी समय से हनी ट्रैप में फंसाकर 50 लाख की मांग करने वाले गैंग की तलाश में जुटी हुई थी। पकड़ी गई शातिर महिला के तीन साथी अभी फरार चल रहे हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही है। पुलिस ने पकड़ी गई आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

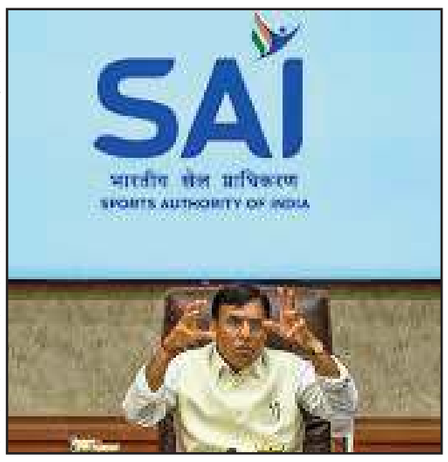

सरकार ने राष्ट्रीय खेल संघों को आधिकारिक लोगो के अनधिकृत उपयोग को रोकने का निर्देश दिया है

राज्य चिह्न, मंत्रालय और साई के लोगो का दुरुपयोग भ्रामक सरकारी संबद्धता दिखाने के लिए पाया गया है

अनुपालन न करने पर मान्यता निलंबित या वित्तीय सहायता वापस ली जा सकती है

(जीएनएस)।

भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (एमओवाईएएस) ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को निर्देश जारी किए हैं कि वे राज्य प्रतीक और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लोगो या चिह्नों का अनधिकृत उपयोग तत्काल बंद कर दें।

यह देखा गया है कि कुछ राष्ट्रीय खेल संगठन (एनएसएफ) अपने लेटरहेड, वेबसाइटों, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्री पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बन रही है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं। ऐसा उपयोग अनधिकृत है और भारत के राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यद्यपि एनएसएफ को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और वे वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता के पात्र हैं, लेकिन ऐसी मान्यता या समर्थन उन्हें अपने आधिकारिक स्टेशनरी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भारत सरकार, मंत्रालय या एसएआई के नाम, प्रतीक चिन्ह या लोगो का उपयोग करने का अधिकार नहीं देता है।

एनएसएफ आधिकारिक लोगो या प्रतीक चिन्हों का उपयोग किए बिना, केवल मंत्रालय द्वारा अपनी मान्यता का लिखित रूप से उल्लेख कर सकते हैं।

राष्ट्रीय खेल संगठनों (एनएसएफ) को दिए गए निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साई के लोगो का उपयोग केवल कार्यक्रम-विशिष्ट प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनेज या स्मृति चिन्हों के लिए ही किया जा सकता है, वह भी केवल उन मामलों में जहां वित्तीय सहायता प्रदान की गई हो या औपचारिक मान्यता दी गई हो, और वह भी निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार।

इसके अलावा, सभी राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को यह निर्देश दिया गया है कि वे भौतिक और डिजिटल प्लेटफार्मों से अनधिकृत लोगो को तुरंत हटा दें और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनके संबंध को किसी भी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत न किया जाए।

राष्ट्रीय खेल संगठनों के अध्यक्षों और महासचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अपनी संबद्ध राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इकाइयों द्वारा भी अनुपालन सुनिश्चित करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इन निर्देशों के किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशा-निर्देशों और लागू कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता का निलंबन शामिल है।

यूजीसी बिल 2026 के विरोध के बीच क्यों चर्चे में आया रोहित वेमुला केस? यूजीसी बिल से क्या है कनेक्शन

(जीएनएस)।

भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाया गया UGC Bill 2026 इस समय देश की सबसे बड़ी बहस का केंद्र बन गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी नए 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी' नियमों ने कैंपस की राजनीति को गरमा दिया है। जहां एक तरफ इन नियमों को कैंपस में जातिगत भेदभाव रोकने की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ सवर्ण छात्र संगठन इसके विरोध में उतर आए हैं।

इस विवाद के बीच दो नाम रोहित वेमुला और पायल तड़वी केस फिर से राष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन गए हैं। इन नामों का जिक्र होते ही उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव, संस्थागत उत्पीड़न और छात्रों की मानसिक पीड़ा का मुद्दा फिर केंद्र में आ गया है

जब भी यूजीसी के नियमों पर चर्चा होती है, 2016 का रोहित वेमुला केस सबसे पहले याद आता है। हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पीएचडी छात्र रोहित की आत्महत्या को एक 'संस्थागत हत्या' मानी गई थी। रोहित वेमुला अंबेडकर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (ASA) से जुड़े थे।

2015 में एक छात्र आंदोलन के बाद रोहित और उनके साथियों को

हॉस्टल से बाहर कर दिया गया और उनकी फेलोशिप रोक दी गई। रोहित को इन घटनाओं ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया। लगातार मानसिक दबाव और उपेक्षा के कारण 17 जनवरी 2016 को रोहित वेमुला ने आत्महत्या कर ली। उनके सुसाइड नोट की लाइन- "मेरा जन्म एक घातक दुर्घटना था" ने पूरे देश को झकझोर दिया।

साल 2016 में रोहित की मौत के बाद दिल्ली से हैदराबाद तक विरोध प्रदर्शन हुए और विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव पर राष्ट्रीय बहस छिड़ी। अंत में छात्रों का विरोध प्रदर्शन की आवाज सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। हालांकि 2024 में तेलंगाना पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया कि रोहित दलित नहीं थे और उनकी मौत निजी कारणों से हुई, लेकिन इस रिपोर्ट को लेकर भी सवाल उठते रहे।

असल में, रोहित वेमुला केस ही वह आधार है, जिसने यह सवाल खड़ा किया कि क्या कैंपस में भेदभाव को समय रहते रोका जा सकता था? क्या संस्थानों की जवाबदेही तय होनी चाहिए? UGC Bill 2026 इन्हीं सवालों का जवाब देने की कोशिश है।

पायल तड़वी और अन्य मामले: जब 'सपनों' ने दम तोड़ा

सिर्फ रोहित ही नहीं, 2019 में मुंबई की डॉ. पायल तड़वी (ST वर्ग) की आत्महत्या ने मेडिकल कॉलेजों में 'सीनियर-जूनियर' के नाम पर होने वाले जातिगत उत्पीड़न को उजागर किया था। पायल तड़वी का मामला मेडिकल एजुकेशन सिस्टम पर बड़ा सवाल बन गया।

इसके अलावा दर्शन सोलंकी (IIT बॉम्बे, 2023) केस ने यूनिवर्सिटी कैंपस में अलगाव के आरोपों ने सबको चौंकाया। आयुष और अनिल (IIT दिल्ली) के मामले ने सुप्रीम कोर्ट को मजबूर किया कि वह कॉलेजों में मेंटल हेल्थ और भेदभाव की जांच के लिए नेशनल टास्क फोर्स बनाने का आदेश दे।

उं२३ी ॅ२ि१्ल्लं३ङ्गल्ल ३िं वऋॅ 2026: जातिगत भेदभाव के आंकड़े क्या कहते हैं?

यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतों में 118% की डरावनी बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2017-18 में साल जहां 173 शिकायतें थीं, वहीं 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 378 हो गई है। यही वजह है कि सरकार अब 'पॉलिसी' से आगे बढ़कर 'कानूनी जवाबदेही' की ओर बढ़ रही है। इन बढ़ते आंकड़ों ने हर किसी को चौंका दिया और यही कारण थे कि वऋॅ ने अपने पुराने नियमों में बदलाव करते हुए वऋॅ इ'' 2026 की ओर कदम बढ़ाया।

सवर्ण संगठनों की क्या है आपत्ति?

जहां एक पक्ष इसे ऐतिहासिक बता